ISSN: 2456–4397 RNI No.UPBIL/2016/68067 Vol-3* Issue-11* February- 2019
Anthology : The Research

Editorial Board - Anthology : The Research
February-2019
Executive Board

PATRON
Dr. M.D. Pathak
Chairman, Centre for Research & Development of Waste & Marginal Land
Ex. Director General, U.P. Council of Agriculture Research, U.P.
Ex. Director, Research and Training, International Rice Research Institute, Manila, Philipines
pathakmd1@gmail.com

EDITOR-IN -CHIEF
Dr. Asha Tripathi
Senior Vice-President,
Social Research Foundation, Kanpur
asha23346@gmail.com

MANAGING EDITOR
Dr. Rajeev Mishra
Secretary,
S R F,Kanpur
indra.rajeev@gmail.com

EDITOR
Smt. Deepti Mishra
Treasurer,
S R F,Kanpur
anthology.srf@gmail.com

Co-Editor
Dr. Asha Verma
D.B.S. College,
Kanpur

EDITORIAL-ADVISORY BOARD

Anthropology
Dr. K. Bharathi
Arba Minch University,
Arba Minch,Ethiopia,
North Africa

Library Science
Dr. U. C. Shukla
Fiji National University,
Lautoka, Fiji
Dr. Chaminda Jayasundara
Fiji National University,
Lautoka, Fiji

Political Science and International Relation
Prof. Vandana Asthana
Eastern Washington University,
Cheney, WA

Hindi
Dr. Asha Verma
D.B.S. College,
Kanpur

Music
Shivani Raina
Govt. Degree College, Heeranagar, Samba
Dr. Ahmedrazakhan Sarvarkhan Pathan
The Maharaja Sayajirao
University of Baroda. Vadodara
Gujarat

History
Dr. R. S. Gurna
A.S. College Khanna,
Punjab
Dr. Anila Purohit
Govt. Dungar College,
Rajasthan

Political Science
Dr. Krishna Kumar
BPSMV University, Haryana
Dr. Pravesh Pandey
Shri Guru Nanak Mahila
Mahavidyalaya, Jabalpur

Zoology
Dr. Devendra Nath Pandey
Govt.S.K.N.(P.G.) College,
Mauganj, Rewa (M.P.)
Dr. Krishna Kumar Raj
H.S.Gaur University,
Sagar, M.P.

सम्पादकीय.....

सुधी पाठको,

मित्रों, भारतीय शिक्षा की त्रासदी यह है कि सत्तासीन व सत्ता से बाहर सभी राजनेता व शिक्षाविद् इसके महत्व आर मानव–निर्माण के महत्व को स्वीकार तो करते हैं किन्तु इस तरफ कोई ध्यान नहीं देते– यहाँ तक कि इसकी उपेक्षा भी करते रहे हैं। आर्थिक विकास की तुलना में हम विकास की तुलना में हम विकास के इस सर्वोत्तम साधन को बहुत गौण स्थान देते रहे हैं। निःसन्देह प्राथमिक शिक्षा को राष्ट्र के विकास की नींव माना जाता है लेकिन वही क्षेत्र सबसे ज्यादा उपेक्षित रहा है। अपने ही प्रदेश में प्राथमिक विद्यालयों की हालत किसी से छुपी नहीं है। लगभग 40 से 50 प्रतिशत शिक्षकों के पद रिक्त चल रहे हैं। परिणाम यह है कि एक या दो शिक्षकों से ही पूरे विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था चलवाई जा रही है।

गुणवत्ता की दृष्टि से तो स्थिति और भी खराब है एक ओर हम सभी के लिए शिक्षा का अभियान चला रहे है तो दूसरी तरफ लाखों बच्चों को केवल अक्षर ज्ञान करा देने की धोखा धड़ी कर रहे हैं और राष्ट्र की भावी पीढ़ी के भविष्य को अन्धकारमय बना रहे हैं। उच्च शिक्षा की स्थिति भी कुछ इससे अच्छी नहीं है। आखिर कब तक ऐसा चलेगा? आखिर कब तक हम भारत के पढ़े लिखे कहे जाने वाले प्रबुद्ध नागरिक भी अपनी ओर से कोई अपनी पहल न करके सरकार की तरफ निहारते रहेंगे।

हम यह उम्मीद करते हैं कि आप अपने नये तार्किक विचारों को हमारे शोध प्रकाशन में प्रकाशित करते हुए शिक्षा की गुणवत्ता को बनाए रखने वाले इस यज्ञ में अपना अमूल्य योगदान देते रहेंगे।

धन्यवाद..............

(श्रीमती दीप्ति मिश्रा)
सम्पादक

मुद्रक/प्रकाशक डा0 राजीव कुमार मिश्रा द्वारा ए. एण्ड एस. कम्प्यूटर्स, 127/1/61, डब्ल्यू–1, साकेत नगर, कानपुर से मुद्रित एवं 128/170, एच ब्लाक, किदवई नगर, कानपुर से प्रकाशित।
संपादक : श्रीमती दीप्ति मिश्रा, Mobile No. **9335332333, 9839074762**
Mail id: socialresearchfoundation2010@gmail.com, socialresearchfoundationkanpur@gmail.com, socialresearchfoundation@gmail.com, **website:** www.socialresearchfoundation.com